महिला दुग्ध सहकारी समिति बरूड़

दुग्ध व्यवसाय से बरूड़ गांव की महिलाएं हुई स्वावलंबी

एम.पी. स्टेट कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन के अन्तर्गत कार्यरत इंदौर सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित इंदौर के कार्यक्षेत्र जिला खरगौन के ग्राम बरूड़ में महिला दुग्ध सहकारी समिति का गठन वर्ष 1996 में किया गया था। इस संस्था द्वारा 6 अक्टूबर 1996 से दुग्ध संकलन प्रारंभ किया गया। प्रारंभ में संस्था ने 25 सदस्यों से प्रतिदिन 92 लीटर दूध का संकलन किया। आज यह संस्था 43 महिला सदस्यों से 600 लीटर दूध प्रतिदिन संकलित कर रही है।

खरगौन से 16 किलोमीटर दूर 11 हजार की जनसंख्या वाले ग्राम बरूड़ में वर्तमान में 240 गायें तथा 430 दुधारू भैंस हैं। बरूड़ महिला दुग्ध सहकारी समिति की कुल 43 सदस्यों में से 32 सदस्य पिछडा वर्ग, अनुसूचित जाति व जन जाति से हैं।

बरूड़ दुग्ध समिति का संचालन समिति की प्रबंधकारिणी समिति की 9 महिला समिति सदस्यों द्वारा किया जाता है जिसकी अध्यक्ष श्रीमती रत्नाबाई परसाई हैं।

प्रारंभ में बरूड़ दुग्ध समिति में सदस्यों की अंश पूंजी रूपये 2,500 थी जो वर्तमान में बढ़कर रूपये 7,420 हो गई है। इस संस्था द्वारा वर्ष 2009–10 में लगभग 55.50 लाख रूपये का व्यापार किया गया है।

दुग्ध समिति अपने प्रारंभकाल से ही समिति सदस्यों को बोनस एवं लाभांश का वितरण करती आ रही है। वर्ष 2006–07 तक दुग्ध समिति अपने सदस्यों को रूपये 1,75,235 बोनस एवं लाभांश के रूप में वितरित कर चुकी हैं। वर्ष 2009–10 तक का बोनस एवं लाभांश रूपये 1,44,828 का वितरण संस्था द्वारा मार्च 2011 में किया जावेगा।

दुग्ध समिति ने वर्ष 2009–10 में रू. 1.50 लाख का पशु आहार तथा 88 हजार का सांची घी अपने सदस्यों को बेचा है। संस्था के पास वर्तमान में 20 लाख रूपये बचत खाते में, रूपये 1,00,889 रक्षित निधि तथा रूपये 92,345 भवन निधि के जमा है।

दुग्ध समिति ने दुग्ध उत्पादकों से खरीदे जा रहे दूध तथा भुगतान प्रणाली में पारदर्शिता लाने के उददेश्य से रूपये 1,12,474 खर्च कर स्वचालित कम्प्यूटराईज्ड दुग्ध संकलन प्रणाली की स्थापना की है। इससे दुग्ध उत्पादक महिला सदस्यों को दुग्ध प्रदाय करने के समय ही प्रदायित दूध की गुणवत्ता तथा मात्रा अनुसार दूध मूल्य की जानकारी दी जा रही है।

दुग्ध समिति में एक महिला बचत समूह, "मां नर्मदा महिला बचत समूह का गठन भी किया गया है। इस समूह द्वारा अपने सदस्यों को दुधारू पशु क्रय करने हेतु रूपये 3 लाख दिये गये हैं। इस राशि से 30 सदस्यों द्वारा 30 दुधारू पशु क्रय किये जा चुके हैं। बरूड़ दुग्ध समिति द्वारा इंदौर दुग्ध संघ के माध्यम से समिति सदस्यों को जनश्री बीमा योजना एवं सांची बीमारी सहायता योजना के माध्यम से लाभ पहुंचाया जा रहा है।

इस प्रकार महिला सहकारी दुग्ध समिति बरूड़ अपने सदस्यों की सक्रियता व जागरूकता से निरंतर प्रगती के नए सोपान गढ़ रही है।